सक्सेस मिरर

वर्ष : 11
अंक : 120
जनवरी : 2020

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | सम्पादकीय
9 | समसामयिकी घटना संग्रह
10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ
18 | व्यक्ति परिचय

20 | आर्थिक घटना संग्रह

- सीबीआईसी की दस्तावेज पहचान संख्या (डिन) लागू
- RBI ने MFI के कर्ज की सीमा बढ़ाई
- 16 भाषाओं में होगी 2021 की जनगणना
- जून 2019 के अन्त में भारत पर US$ 557·4 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज

24 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या मामले पर सुनाया फैसला
- 1 दिसम्बर से सभी वाहन मालिकों के लिए फास्टैग अनिवार्य
- सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला केस बड़ी बेंच को सौंपा
- मनोहर लाल खट्टर ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

28 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- 11वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, 2019 ब्राजीलिया में संपन्न
- ईरान ने 53 अरब बैरल के नये तेल भंडार की खोज की
- महिला, शांति और सुरक्षा सूचकांक, 2019/20
- सतत नाइट्रोजन प्रबंधन पर कोलंबो घोषणा

32 | खेल खिलाड़ी

- दीपक चाहर बने टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में हैट्रिक लेने वाले प्रथम भारतीय गेंदबाज
- रोहित शर्मा बने 100 अन्तर्राष्ट्रीय टी-20 मैच खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर
- कर्नाटक ने जीता विजय हजारे ट्रॉफी 2019 का खिताब

35 | विज्ञान समाचार
36 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह
39 | समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
41 | बिहार : वस्तुनिष्ठ प्रश्न
51 | तथ्य एक दृष्टि में

लेख

52 | **वित्तीय समीक्षात्मक लेख**–रिजर्व बैंक द्वारा केन्द्र सरकार को अधिशेष हस्तांतरण
54 | **पर्यावरणीय लेख**–पर्यावरणीय नियोजन एवं प्रबन्धन (संक्षिप्त वर्णन)
55 | **किसान सम्बन्धी लेख**–केन्द्रीय सरकार ने किसान व असंगठित क्षेत्र के कारोबारियों के कल्याण हेतु लिए निर्णय
56 | **सामयिक लेख**–बाढ़ और तबाही
87 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
88 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-117 का परिणाम**
89 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

58 | बिहार एस.एस.सी. वेटरिनरी कॉलेज चालक परीक्षा, 2018
62 | मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2017
आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिस असिस्टेंट परीक्षा, 2019
70 | तर्कशक्ति
73 | संख्यात्मक अभियोग्यता
77 | आगामी बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
83 | वस्तुनिष्ठ प्रश्न–कोर्स ऑन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट्स (CCC)

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–2531101, 2530966
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844, 43259035

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
मो– 09370877776

सम्पादकीय

भारत को जोड़ने के लिए अपने को जोड़िए

स्थूल शरीर, प्राण शरीर तथा आत्मिक शरीर, ये तीन शरीर मिलकर व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं. इस प्रकार व्यक्तित्व (Personality) तीन स्तरों पर कार्य करता है. इन्द्रियों का संसार, जीवनी शक्ति तथा आत्म-चेतना, व्यक्ति अपनी कायिक चेष्टाओं, चिन्तन पद्धतियों तथा जीवन मूल्यों अथवा आदर्शों के निर्वाह द्वारा अपने व्यक्तित्व का विकास करता है.

आत्म-चेतना के अनुरूप जीवन की गतिविधियाँ–कार्यकलाप निर्धारित होते हैं. उन्हीं के अनुसार व्यक्ति की चिन्तन पद्धतियों का निर्माण होता है और चिन्तन पद्धतियाँ चेतना के स्वरूप को विकसित करती हैं. स्पष्ट है कि व्यक्तित्व का सम्यक् विकास तभी सम्भव होता है, जब उक्त तीनों स्तरों पर होने वाले कार्य परस्पर सम्बद्ध तथा अन्योन्याश्रित होते हैं. इस अवस्था को कर्म, वचन और मन की एकता कहते हैं. इस एकत्व अवस्था को व्यक्तिव का संश्लेषण अथवा संश्लिष्ट व्यक्तित्व (Integrated Personality) कहते हैं. ऐसा न होने पर व्यक्तित्व एकपक्षीय, एकांकी अथवा विकलांग बना रहता है. कवि जयशंकर प्रसाद प्रणीत महाकाव्य 'कामायनी' में मनु उक्त संश्लेषण के अभाव में देवों के कोपभाजन बनते हैं, क्योंकि वे बौद्धिकता तत्व इड़ा के साथ एकपक्षीय जीवन व्यतीत करते हैं, यथा–

ज्ञान दूर और क्रिया भिन्न है
इच्छा पूरी हो क्यों मन की
एक-दूसरे से मिल न सके
यह विडम्बना जीवन की

हम जीव-जगत, वनस्पति-जगत, जड़-जगत आदि के विषय में सूक्ष्माति-सूक्ष्म जानकारी रखते हैं, परन्तु यह नहीं जान पाए हैं कि इनके साथ हमारा क्या सम्बन्ध है ? जीवन की विडम्बना है कि हम वस्तु एवं व्यक्ति को जानते हैं, परन्तु उसके प्रति सम्बन्ध भावना का निर्वाह एवं निर्माण करने में अपनी असमर्थता प्रकट कर देते हैं. हम स्वयं देख सकते हैं, हम बातें तो बड़ी-बड़ी करते हैं, बड़े-बड़े आदर्शों का गुणगान करते हुए थकते नहीं हैं तथा विश्वबन्धुत्व एवं ब्रह्मांडीय सम्बन्धों की परिकल्पना करते हुए अघाते नहीं हैं, परन्तु व्यवहार में हम अपने सगे भाई, अपने निकटतम पड़ोसी के प्रति भी वास्तविक बन्धुत्व का निर्वाह नहीं करते हैं. मानव के इस प्रकार के व्यवहार को ही लक्ष्य करके इंजील ने कहा है कि If you can not love your neighbour whom you daily see, how can you love God whom you have never seen, अर्थात् यदि तुम अपने पड़ोसी से प्रेम नहीं कर सकते हो, जिसको तुम नित्य देखते हो, तो उस परम पिता से क्योंकर प्रेम कर सकोगे, जिसको तुमने कभी नहीं देखा है ?